आचार्य वट्टकेर स्वामीकृत

।। मूलाचार ।।
भाषा–वचनिका
(संस्कृत आचारवृत्ति सहित)

सम्पादकद्वय
प्रो. फूलचन्द जैन प्रेमी
डॉ० श्रीमती मुन्नी जैन

प्रकाशकः
नवकार इंटरनेशनल
ग्रेटर नोएडा

।। मूलाचार ।।
भाषा–वचनिका
(संस्कृत आचारवृत्ति सहित)

सम्पादकद्वय
प्रो. फूलचन्द जैन प्रेमी
डॉ० श्रीमती मुन्नी जैन

"मूलाचार : भाषा–वचनिका"
(संस्कृत आचारवृत्ति सहित)

दूसरी-तीसरी शती के महान् आचार्य वट्टकेर द्वारा प्रणीत सवा हजार से भी अधिक शौरसेनी प्राकृत भाषा की गाथाओं में निबद्ध प्रस्तुत शास्त्र "मूलाचार" जैन मुनियों एवं आर्यिकाओं के समग्र आचार–विचार–व्यवहार तथा श्रमणसंघ जैसे श्रमणाचार विषयक एक सुव्यवस्थित, अतिप्राचीन अनुपम आगमशास्त्र है। इस पर ११-१२ वीं शती के आचार्य वसुनन्दि ने बारह हजार श्लोक प्रमाण सरल संस्कृत भाषा में आचारवृत्ति नामक टीका की रचना बहुत ही सरलता के साथ की थी। इसी टीका के आधार पर १८ वीं शती के मर्मज्ञ विद्वान् कवि पं० नन्दलाल जी (जयपुर के सुप्रसिद्ध विद्वान् पंडित जयचंद जी छावड़ा के ज्येष्ठ सुपुत्र) एवं इनके मित्र पंडित ऋषभदास जी निगोत्या ने जयपुर के आसपास की तत्कालीन प्रचलित लोकप्रिय ढूँढारी भाषा (पुरानी हिन्दी) में प्रस्तुत भाषा वचनिका की रचना के माध्यम से प्राकृत गाथाबद्ध मूलाचार जैसे अति महत्त्वपूर्ण, सर्वमान्य और प्रामाणिक मूलशास्त्र और पूर्वोक्त संस्कृत टीका के मर्म को सरलतम रूप में समझने का सुगम मार्ग प्रशस्त किया है।

कुछ वर्ष पूर्व तक यह भाषा वचनिका अज्ञात और दुर्लभ थी, जिसका कठिन एवं दीर्घ श्रमपूर्वक वाराणसी के प्रो. फूलचन्द जैन प्रेमी एवं आपकी सहधर्मिणी विदुषी डॉ० मुन्नी जैन ने सफलता के साथ सम्पादन कर पहली बार भा. अनेकांत विद्वत् परिषद् से सन् 1992 में प्रकाशित कराके उपलब्ध कराया था। उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत इस शास्त्र का पुनः प्रकाशन लगभग तीन दशकों बाद "नवकार इंटरनेशनल" के माध्यम से श्रीमती हेमा जैन धर्मपत्नी श्री आदि प्रकाश जैन द्वारा कराये जाने से बहुत बड़ी कमी की पूर्ति हुई है। उनका यह पुण्यार्जन अभिनंदनीय है। आशा है, जिस प्रकार इसके प्रथम संस्करण का सभी मुनियों तथा आर्यिकाओं के संघों एवं विद्वानों ने इसका स्वाध्याय करके ज्ञानलाभ लिया एवं बहुमान किया था, पूरा विश्वास है, उसी प्रकार इस द्वितीय संस्करण से भी श्रमणाचार का सच्चा स्वरूप समझ लाभान्वित होंगें।

ISBN 978-81-972888-5-2
₹555

नवकार इंटरनेशनल
A401, ओएसिस होम, सेक्टरः बीटा 2, ग्रेटर नोएडा
गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, भारत, 201305
संस्थापकः श्रीमती हेमा जैन धर्मपत्नी श्री आदि प्रकाश जैन